बीडा में 13 मेगा सब स्टेशन से पहुंचेगी बिजली

29 जून को लखनऊ में होगी बैठक, बीडा को बिजली देने की तेज हुई कवायद, शुरुआत में 55 मेगावाट की जरूरत

अमर उजाला ब्यूरो

झांसी। बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण (बीडा) को निर्बाध बिजली देने की कवायद शुरू हो गई है। बिजली व्यवस्था चाक-चौबंद रखने के लिए अलग से फीडर बनाए जाएंगे। यह फीडर सीधे मेन ग्रिड से जोड़ा जाएगा। इसके साथ 13 मेगा सब स्टेशनों के जरिये बिजली बीडा तक पहुंचेगी। बीडा अफसरों के मुताबिक 29 जून को इस पर अंतिम मुहर के लिए लखनऊ में उच्च स्तरीय बैठक होने जा रही है। बीडा की ऊर्जा संबंधी जरूरतों को पूरा करने के बारे में अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

विकास पथ पर बुंदेलखंड अमर उजाला अभियान

33 गांव में बसाए जा रहे बीडा के भू-अधिग्रहण का काम इन दिनों तेजी से चल रहा है। भू-अधिग्रहण पूरा होने के बाद विकास कार्य भी रफ्तार पकड़ेगा। यहां तमाम बड़ी औद्योगिक इकाइयां लगाई जानी हैं। इसके मद्देनजर आने वाले 40-50 साल में यहां करीब 2400 मेगावाट बिजली की जरूरत होगी, जबकि अगले दस साल में 55 मेगावाट बिजली की आवश्यकता महसूस की जा रही है। बीडा अफसरों का कहना है कि इस जरूरत को देखते हुए मुख्य ग्रिड के जरिये बिजली लाने की योजना बनाई गई है। इसके मुताबिक ही बिजली संयंत्र लगाए जाने हैं।

यहां उच्च क्षमता के तीन एमआरएसएस (मेन रिसीवर सब स्टेशन) समेत दस ब्रांच (आरएसएस) तैयार कराए जाएंगे। इसके जरिये अलग-अलग सब स्टेशनों तक बिजली पहुंचाई जाएगी। ओएसडी सौम्य मिश्रा का कहना है कि 27 जून को इस संबंध में शासन में बैठक होगी। वहां इस बारे में फैसला होगा। बैठक में सीईओ अमृत त्रिपाठी समेत पावर कॉरपोरेशन के निदेशक व अन्य अधिकारी हिस्सा लेंगे।

अगले माह होगी बीडा बोर्ड की बैठक

बीडा बोर्ड की बैठक अगले माह होनी है। हालांकि, अभी इसकी तिथि तय नहीं है। बीडा अफसरों का कहना है कि मास्टर प्लान शासन को भेजा गया है। मंजूरी मिलने के बाद इसे बोर्ड के सम्मुख प्रस्तुत किया जाएगा। बोर्ड से मंजूरी के बाद मास्टर प्लान लागू किया जाएगा।